Publication: Naiduniya

Headline: Why Zaveri Bazaar is on the target always

Edition: All Editions

Date: 15th July, 2011

Coverage

आतंकी हमलों ने मुंबई को झकझोरा, बंद रहा झवेरी बाजार

झवेरी बाजार ही क्यों बनता है निशाना

बार–बार लहूलुहान होती देश की आर्थिक राजधानी को अब रास नहीं आ रही तारीफ

रोजाना एक हजार करोड़ का कारोबार करने वाला शहर का सराफा बाजार गुरुवार को व्यापारियों ने बंद रखा।

पंकज शुक्ल मुंबई

आतंकियों के हमले से बार-बार लहूलुहान होती देश की आर्थिक राजधानी के निवासियों यानी मुंबईकरों की ऐसे हर हमले के बाद होने वाली तारीफ अब यहाँ के लोगों को रास नहीं आ रही है। रोजाना एक हजार करोड़ का कारोबार करने वाला शहर का सराफा बाजार गुरुवार को इसी गुस्से के चलते व्यापारियों ने बंद रखा। शुक्रवार को भी बाजार बंद रहने के आसार दिख रहे हैं। उधर बुधवार रात जीटी अस्पताल में जिस तरह मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और बाकी नेताओं के साथ धक्का-मुक्की हुई, उसके चलते अब खुफिया एजेंसियों ने मंत्रियों और नेताओं को अपने दौरे सीमित रखने की सलाह दी है।

तीसरी बार आतंकियों के निशाने पर आए शहर के झवेरी बाजार इलाके ने यहाँ के सोने, चाँदी और हीरे के कारोबारियों को इस बार झकझोरकर रख दिया है। ओपेरा हाउस का घटना स्थल भी इसी इलाके का हिस्सा है और यहाँ के कारोबारियों का कहना है कि ये हमले किसी खास साजिश के तहत यहाँ कराए जा रहे हैं। दक्षिण मुंबई के बहुत छोटे से दायरे में सिमटे करीब सौ साल पुराने इस कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि जेवर और हीरे के ये व्यापारी सरकार को सालाना करोड़ों का राजस्व कमाकर देते हैं।

बॉम्बे बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी का कहना है कि यहाँ सालाना तीन लाख करोड़ का कारोबार होता है। इतने विशाल कारोबार के दौरान लगने वाले वैट, सेल्स टैक्स, लेवी और दूसरे करों की गणना की जाए तो यह रकम बहुत बड़ी बैठती है, लेकिन इस इलाके की सुरक्षा पर किसी का ध्यान नहीं जाता। हर बार हमले के बाद महीनों तक कारोबार सुस्त पड़ा रहता है। कोई डेढ़ दो वर्ग किमी के इस इलाके से शहर के दो लाख लोगों की रोजी-रोटी जुड़ी है। रोजाना करीब चार हजार थोक ग्राहक यहाँ आते हैं, लेकिन धमाकों के बाद कारोबार बर्बाद हो जाता है। गुरुवार को इस इलाके में घूमने के दौरान लोगों में व्यवस्था के प्रति तीखा गुस्सा नजर आया। धमाके हों या कोई दूसरी आपदा इन लोगों का अगले दिन काम पर आना उनकी मजबूरी है।

तुम गए, सब गया

धमाकों में अपने बेटे मोहन नाइक को खो देने वाले माता–पिता के आँसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। फोटो : पीटीआई

मप्र से जुड़ सकते हैं धमाकों के तार!

भोपाल/मुंबई (ब्यूरो)। मुंबई में हुए बम धमाकों के तार मध्यप्रदेश से जुड़ सकते हैं। इसे लेकर मुंबई पुलिस ने मप्र पुलिस से संपर्क साधा है। दरअसल, हाल ही में भोपाल और जबलपुर में पकड़े गए डॉ. फैजल और शेख मुजीब ने सिमी की बागडोर संभाल रखी थी, लिहाजा पुलिस को शक है कि सिमी के दोनों खूँखार आतंकवादी किसी भी घटना को अंजाम देने की साजिश में हो सकते हैं।

- मुंबई पुलिस ने साधा संपर्क
- माँगे पूछताछ में रिकॉर्ड बयान

डॉ. फैजल और शेख मुजीब का नाम अहमदाबाद बम धमाकों के आरोपियों में भी हैं। इस कारण मुंबई पुलिस के आला अफसरों को शक है कि मुंबई में बुधवार को हुए बम धमाकों में भी इन दोनों आतंकवादियों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हाथ हो सकता है। इसके चलते मध्यप्रदेश पुलिस से संपर्क कर इन दोनों से हुई पूछताछ में रिकॉर्ड किए गए बयान माँगे गए हैं।

सूत्र बताते हैं कि दोनों ने पूछताछ में कई ऐसे राज उगले हैं जिसकी पुष्टि करने में एटीएस अधिकारियों के पसीने छूट रहे हैं। हालाँकि प्रदेश पुलिस के आला अफसरों ने अभी इस बात की पुष्टि नहीं की है कि पिछले दिनों सिमी के पकड़े गए सदस्यों की मुंबई में बम विस्फोट करने की कोई योजना थी या नहीं ? दिल्ली से मुंबई पहुँची जाँच एजेंसियों के सूत्र इस हमले के तार हैदराबाद में सक्रिय रहे इंडियन मुजाहिदीन के कुछ दस्तों से जोड़ रहे हैं। हालाँकि अभी कोई भी पुख्ता सुराग हाथ नहीं लगा है। धमाकों में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल और विस्फोट के लिए टाइमर का इस्तेमाल इन धमाकों को इंडियन मुजाहिदीन से जोड़ता दिख रहा है लेकिन इसी तरह के धमाकों में एक और संगठन हूजी (हरकत-उल-जिहाद अल इस्लामी) भी पारंगत है। जाँच महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की अगुआई में चल रही है।